कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2506
उत्तर देने की तारीख 18 दिसंबर, 2023
सोमवार, 27 अग्रहायण, 1945 (शक)

वैश्विक स्तर पर कौशल मानचित्रण

2506. श्री रघु राम कृष्ण राजूः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार शिक्षा के माध्यम से लचीला, न्यायसंगत, समावेशी, सतत् भविष्य के लिए वैश्विक स्तर पर कौशल मानचित्रण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समान उपयोग हेतु जी-20 देशों सहित अन्य देशों के साथ मिलकर कार्य कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है और अब तक राज्य-वार क्या प्रगति हुई है और ऐसे प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अब तक कितनी धनराशि निर्धारित/स्वीकृत/खर्च की गई है?

उत्तर

कौशल विकास और उदयमशीलता राज्य मंत्री
(श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) और (ख) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) भारत सरकार के कुशल भारत मिशन (सिम) के अंतर्गत, विभिन्न स्कीमों अर्थात प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) के द्वारा देश भर में समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुनर्कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। सिम का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य और उद्योग के लिए कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

भारत सरकार का विज़न भारत को एक वैश्विक कौशल हब और विश्व भर के विभिन्न क्षेत्रों के लिए विश्वसनीय और उच्च कुशल कार्यबल का स्रोत बनाना है। एमएसडीई ने इस विज़न को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न राज्यों में 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (एसआईआईसी) की स्थापना की योजना बनाई है। इन केंद्रों का लक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय मानकों और मांगों को पूरा करने के लिए एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सक्षम कार्यबल प्रदान करने में भारत की क्षमताओं को बढ़ाना है।

जी20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक 2023 और जी20 लीडर्स का शिखर सम्मेलन 2023 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें जी20 देशों ने वैश्विक स्तर पर कौशल अंतराल को दूर करने के लिए कार्यनीतियों पर जी20 नीति प्राथमिकताओं को अपनाते हुए अनेक ऐतिहासिक प्रतिबद्धताएं निभाईं। जी20 देश सुप्रबंधित, नियमित और कौशल-आधारित प्रवासन मार्ग सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जी20 देशों ने विश्व स्तर पर कौशल अंतराल को दूर करने के लिए प्राथमिकताओं को अपनाया, जिसमें वैश्विक कौशल अंतराल की मैपिंग, संबंधित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में तुलनीय बुनियादी और विस्तारित संकेतकों को अपनाकर संबंधित राष्ट्रीय सांख्यिकीय डेटा को और अधिक सुदृढ़ करना और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के कवरेज का विस्तार करना तथा आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) जी20 देशों के लिए जॉब डेटाबेस हेतु कौशल शामिल है। उन्होंने क्रॉस-कंट्री तुलनीयता तथा कौशल और अर्हता की पारस्परिक मान्यता को सुविधाजनक बनाने के लिए कौशल और अर्हता आवश्यकताओं के आधार पर व्यवसायों के एक अंतरराष्ट्रीय संदर्भ वर्गीकरण के विकास पर विचार करने के लिए भी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने आईएलओ और ओईसीडी से वर्ष 2026 तक इसकी तकनीकी, परिचालन और आर्थिक व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ वर्गीकरण विकसित करने की व्यवहार्यता पर विचार करने और प्रगति को वार्षिक रूप से शेयर करने का आह्वान किया। व्यवहार्यता अध्ययन में जी20 देशों में पता लगाए प्रमुख क्षेत्रों में एक प्रायोगिक परियोजना भी शामिल होगी।

भारत, जी20 प्रेसीडेंसी के अंतर्गत की गई उपरोक्त प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन की दिशा में काम करने के लिए आईएलओ और ओईसीडी तथा वर्तमान जी20 प्रेसीडेंसी (ब्राजील) का समर्थन कर रहा है। श्रम और रोजगार मंत्रालय राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में बुनियादी संकेतकों को अपनाने और जॉब के डेटाबेस के लिए आईएलओ और ओईसीडी के कौशल का कवरेज बढ़ाने के लिए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) और श्रम ब्यूरो के साथ काम कर रहा है। इस संबंध में कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा कोई विशेष निधि निर्धारित नहीं की गई है।

भारत की अध्यक्षता में जी20 शिक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान, जी20 सदस्य जनरेटिव कृत्रिम मेधा (एआई) सहित एआई के विकास के समन्वय और व्यवस्थित आकलन को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए, जो शैक्षिक प्रणालियों के लिए एक चुनौती है, और जिसमें उन्हें सुधारने की क्षमता भी है। जी20 सदस्यों ने मानव अधिकारों का सम्मान करने वाली शिक्षा और कौशल में एआई के न्यायसंगत और समावेशी उपयोग के लिए समर्थन व्यक्त किया।

जी20 नई दिल्ली नेताओं की घोषणा 2023 में, जी20 लीडर्स ने शैक्षणिक संस्थाओं और शिक्षकों को एआई सहित उभरते रुझानों और प्रोद्योगिकी प्रगति के साथ ताल-मेल बनाए रखने में सक्षम बनाने के लिए सहयोग करने की बात कही।

कृत्रिम मेधा (एआई) कौशल को और बढ़ाने के लिए, एमएसडीई अपनी कौशल स्कीमों में एआई-आधारित पाठ्यक्रमों को एकीकृत कर रहा है, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) आयोजित कर रहा है, तथा उद्योगों के साथ सहयोग को बढ़ावा दे रहा है।

*****